Literacy for a Billion

Movie: Lagaan
Year: 2001

Song: Mitava
Lyricist: Javed Akhtar

हर संत कहे
साधू कहे
सच और साहस है जिसके मन में
अंत में जीत उसीकी रहे

आ जा रे आ जा रे
आ जा रे आ जा रे
भले कितने लम्बे हो रास्ते हो
थके न तेरा ये तन हो

आ जा रे आ जा रे
सुन ले पुकारे डगरिया
रहें ना ये रास्ते तरसते हो
तू आजा रे

इस धरती का है राजा तू
ये बात जान ले तू
कठिनाई से टकरा जा तू
नहीं हार मान ले तू
मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
ये धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे

ओ मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे
तू आजा रे

सुन लो रे मितवा
जो है तुमरे मन में
वो ही हमरे मन में
जो सपना है तुमरा
सपना वो ही हमरा है
जीवन में

हाँ चले हम लिए
आसा के दीए नैनन में
दीए हमरी आसाओं के
कभी बुझ ना पाएँ
कभी आँधियाँ जो आके
इनको बुझाएँ

ओ मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
ये धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे

ओ मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे
तू आजा रे

आजा रे

आजा रे

Literacy for a Billion

सुन लो रे मितवा
पुर्वा भी गाएगी मस्ती भी छाएगी
मिलके पुकारो तो
फूलों वाली रूत है आएगी
हाँ सुख भरे दिन दुख के बिन लाएगी
हम तुम सजाए आओ रंगों के मेले
रहते हो बोलो काहे तुम यूँ अकेले

मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
ये धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे

ओ मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
ये धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे
तू आजा रे

हर संत कहे
साधू कहे
सच और साहस है जिसके मन में
अंत में जीत उसीकी रहे

ओ मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
ये धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे
ओ मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
ये धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे
ओ मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
ये धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे
ओ मितवा सुन मितवा
तुझको क्या डर है रे
ये धरती अपनी है
अपना अम्बर है रे
तू आजा रे
तू आजा रे
तू आजा रे
तू आजा रे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.